भजन - ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने

मै हिमाचल की बेटी मेरा भोला बसे काशी सारी उम्र तेरी सेवा करूँगी बनकर तेरी दासी

शम्भू शिव शिव शिव शिव शम्भू शम्भू शिव शिव शिव शिव शम्भू

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

बोल बम बोल बम ऐसा डमरू बजाया

भोलेनाथ ने सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

डमरू को सुनकर जी कान्हाजी आये

कान्हाजी आये संग में राधा भी आये

वहां सखियों का मन भी मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

डमरू को सुनकर जी गणपत चले

गणपत चले संग कार्तिक चले

माँ अम्बे मन भी मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

डमरू को सुनकर जी राम जी आये

राम जी आये संग में लक्ष्मणजी आये

मैया सीता का मन भी मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

डमरू को सुनकर जी ब्रम्हा चले

यहाँ ब्रम्हा चले वहां विष्णु चले

मैया लक्ष्मी का मन भी मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

डमरू को सुनकर जी माँ गंगा चले

गंगा चले संग में यमुना चले

वहां सरयू का मन भी मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया,

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने,

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया।।

डमरू को सुनकर जी सूरज चले,

सूरज चले वहाँ चंदा चले,

सूरज चले वहाँ चंदा चले,

सारे तारों का मन भी मगन हो गया,

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया,

ऐंसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने,

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया।।

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने,

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया,

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया,

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया,

ऐसा डमरू बजाया भोलेनाथ ने,

सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया।।